Fourteenth Loksabha

Session : 10
Date : 30-04-2007
Participants : Yadav Shri Devendra Prasad,Dikshit Shri Sandeep,Barq Shri Shafiqur Rahman

Title: Alleged fake encounters against a particular community in various parts of the Country.

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : हमें आखिर में समय दिया जा रहा है।

MR. SPEAKER: It is because I know what will happen immediately.

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : अध्यक्ष महोदय, मैं बहुत महत्वपूर्ण विाय की ओर सरकार का ध्यान आकृट करना चाहता हूं। केन्द्र सरकार द्वारा पंछी आयोग गठित किया गया है।...(व्यवधान)

SPEAKER: Please do not mention any State.

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : केन्द्र सरकार ने पंछी आयोग गठित किया है कि जिन राज्यों में फर्जी मुठभेड़ होंगे या निर्दो लोगों का इस तरह कत्लेआम होगा, उन राज्यों का रिव्यू करके केन्द्रीय बल को डायरैक्ट भेजा जा सकता है या नहीं, क्या केन्द्रीय ऐजैंसी को ऐसी घटनाओं की जांच के लिए अधिकृत किया जा सकता है या नहीं क्योंकि जब सीबीआई की कोई जांच होती है तब उसके लिए राज्यों से परमीशन लेनी पड़ती है। लेकिन किसी राज्य में इस तरह की घटना हो कि अल्पसंख्यक लोगों को निशाना बनाकर जान से मारने की प्रवृति तब से शुरू हुई है जब एक राट्रीय नेता ने कहा कि हिन्दुस्तान में अब लश्करे तैयबा का नेटवर्क बढ़ रहा है। यह सब क्या था? यह खतरनाक बात है। यह इस देश की 20-25 करोड़ अस्पसंख्यक आबादी की तरफ इशारा है। अल्पसंख्यक, जो भारत के धर्मनिर्पेक्ष और शान्तिप्रिय नागरिक हैं, उन्हें नाहक बदनाम करके आतंकी संगठनों से उनका संबंध जोड़कर, उन पर हमला किया जा रहा है, उन पर निशाना बनाकर फर्जी मुठभेड़ के नाम पर उन्हें मारा जा रहा है। देश के सामने विाम परिस्थिति खड़ी हुई है। इसलिए पक्षी आयोग दो साल में अपनी रिर्पोट देगा।

मेरा निवेदन है कि केन्द्र सरकार ने जो टर्म्स एंड कंडीशन्स रखी है, दो साल से पहले संविधान की धारा 355 के तहत एक सं वैधानिक संशोधन लाया जाए जिसमें केन्द्र सरकार को यह अधिकार हो कि ऐसी सिचुएशन में जहां हिन्दुस्तान के भारतीय संविधान का धर्मनिर्पेक्ष ताना-बाना टूटता हो, धर्मनिर्पेक्ष सिद्धान्त जो भारतीय संविधान के प्रीएम्बल में है, यदि उस पर कोई आंच आ रही हो तो केन्द्र सरकार को विशेा परिस्थिति में वहां दखल देकर ऐसी कट्टरपंथी ताकतों का मुकाबला करना चाहिए। अभी 14 राज्यों में नक्सलियों का प्रभाव बढ़ रहा है। यदि इस तरह कट्टरपथी ताकतों का नया नेटवर्क शुरू होगा तो इस देश के करोड़ों अल्पसंख्यक लोगों के मन में असुरक्षा, आशंका और भय का वातावरण व्याप्त होगा। हाल में ही गुजरात में ऐसी घटना हो चुकी है जिसमें तीन आईपीएस अधिकारी गिरफ्तार हुए। यदि न्यायालय हस्तक्षेप नहीं करता तो यह रहस्योद्घाटन नहीं होता। इसीलिए हम आपके माध्यम से केन्द्र सरकार से निवेदन करते हैं ...(व्यवधान)

मोहम्मद सलीम (कलकत्ता - उत्तर पूर्व) : जला दिया गया।...(व्यवधान)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : जला भी दिया गया और इस तरह सिलसिला शुरू हुआ। इस सिलसिले पर रोक लगनी चाहिए ताकि करोड़ों अल्पसंख्यक लोगों के मन में जो भय का वातावरण पनप रहा है, वह समाप्त हो और इस देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था चले, धर्मनिर्पेक्ष सिद्धान्त वाला संविधान चल सके।...(व्यवधान)

डॉ. शफ़ीकुर्रहमान बर्क (मुरादाबाद) : अध्यक्ष महोदय, श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव ने जो प्रस्ताव रखा है, मैं उसे टोटली सपोर्ट करता हूं और कहना चाहता हूं कि इस पर तुरंत तवज्जह दी जाए।...(व्यवधान)

श्री सन्दीप दीक्षित (पूर्वी दिल्ली) : अध्यक्ष महोदय, श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव ने जो ईशू रेज़ किया है, मैं उनके साथ एसोसिएट करता हूं।

MR. SPEAKER: If any hon. Member wants to associate with this, he may send their names. Other matters would be taken up at the end of the day.

There will be no luncheon recess today.

The House would now take up item no. 11.